>

Title: Reported dharna by the students of Allahabad University, Uttar Pradesh on fee hike issue and excesses committed by police on the students.

श्री शैलेन्द्र कुमार : महोदय, मैं बहुत महत्वपूर्ण समस्या की तरफ आपका ध्यान आकर्Âि◌ात करना चाहूंगा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय केन्द्रीय विश्वविद्यालय है। इसी सदन से यह पास हुआ और इसे केन्द्रीय स्तर का दर्जा दिया गया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय को मिनि ऑक्सफोर्ड भी कहा जाता है, लेकिन जब से इसे केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया तब से वहां पर छात्रों की फीस में असंतुलन की स्थिति है। जो तमाम डिग्री कालेज हैं, वे इलाहाबाद विश्वविद्यालय से संबद्ध किए गए हैं। वहां के बच्चों की फीस और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अंदर पढ़ने वाले जो छात्र हैं, उनकी फीस में बड़ा अंतर है। उसे लेकर पूरे विश्वविद्यालय, डिग्री कालेज के छात्र वहां उद्वेलित हैं और वे लगातार धरना, प्रदर्शन पर बैठे हुए हैं। कल आपने टीवी के माध्यम से देखा होगा कि पुलिस ने बड़े ही बर्बरतापूर्ण तरीके से छात्रों पर लाठी चार्ज किया, जिसकी वजह से बहुत से छात्र घायल हुए। उन्हें जेल भेजने का काम भी किया गया।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहूंगा कि मानव संसाधन मंत्री जी इसमें हस्तक्षेप करें। अगर इसे केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया है तो तमाम केन्द्रीय विश्वविद्यालय की सहूलियतें और आर्थिक मदद इन्हें दी जाती है, इसलिए इन छात्रों के साथ कोई अन्याय नहीं होना चाहिए।[rep75]

महोदय, फीस एक सी होनी चाहिए। वह [r76]फिक्स होनी चाहिए जिससे जो फीस विश्वविद्यालय के छात्रों से ली जाए वही फीस डिग्री कॉलेज के छात्रों से भी ली जाए। मैं पुनः अपनी बात पर पुरजोर बल देते हुए कहना चाहूंगा कि आप केन्द्र सरकार और मानव संसाधन विकास मंत्री को निर्देशित करें कि वे इसमें पहल करें ताकि जो छात्र फीस में विसंगति के कारण उद्वेलित हैं और आंदोलन कर रहे हैं, वे शान्त हों और वहां पठन-पाठन का सिलसिला शुरू हो, जिससे उस विश्वविद्यालय को जो भारत का ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय कहा जाता है, वह दर्जा बरकरार बना रहे। इन्हीं शब्दों के साथ, मैं आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूं।

MR. DEPUTY SPEAKER: Chaudhary Lal Singh – not present.

Now, Shri Prabodh Panda.